TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

22 अक्टूबर 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जीवन में कुछ भी शार्टकट नहीं है।

नीरज चोपड़ा

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

Tuesday

22 अक्टूबर

1. **अशफ़ाक उल्ला खाँ का जन्म–** भारत की स्वतंत्रता के लिए प्राणों की आहूति देने वाले प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी अशफ़ाक उल्ला खाँ का जन्म 22 अक्टूबर 1900ई. को हुआ था। उनका पूरा नाम अशफ़ाक उल्ला खाँ वारसी हसरत था। उन्होंने काकोरी लूट कांड में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। ब्रिटिश सरकार द्वारा 19 दिसम्बर, 1927 ई. को उन्हें फैजाबाद जेल में फाँसी दे दी गई थी।

2. **भाखड़ा नांगल परियोजना राष्ट्र को समर्पित–** भारत की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना 'भाखड़ा–नांगल' राष्ट्र को 22 अक्टूबर 1962 को समर्पित की गई थी। सतलज नदी पर बनी भाखड़ा और नांगल दो अलग अलग बाँध हैं जो एक–दूसरे से 13 किमी. दूर हैं। इस बांध का पानी पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान तथा हिमाचल प्रदेश राज्य को मिलता है। यह बाँध भूकंपीय क्षेत्र में स्थित विश्व का सबसे ऊँचा गुरूत्वीय बाँध है। इसकी ऊँचाई 255.55 मीटर (740 फीट) है।

3. **बक्सर का युद्ध–** बंगाल के नवाब मीर कासिम, ने मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय और अवध के नवाब शुजाउद्दौला के साथ मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ बक्सर के आस–पास 22–23 अक्टूबर, 1764 ई. को युद्ध किया गया था। इस युद्ध में अंग्रेजों का नेतृत्व हैक्टर मुनरों ने किया था। इस युद्ध के प्रारंभ होने से पूर्व ही अंग्रेजों ने अवध के नवाब की सेना से 'असद खां', साहूमल (रोहतास का सूबेदार) और जैनूल आब्दीन को धन का लालच देकर अलग कर दिया। अंग्रेजी सेना के पास 7072 सैनिक और 20 तोपें थीं। करीब तीन घंटे में ही युद्ध का निर्णय हो गया। मीर कासिम प्रारंभ में वीरता से लड़ा किन्तु अपने कुछ सहयोगियों के गद्दारी के कारण पराजित हुआ। शाह आलम द्वितीय ने अंग्रेजों के साथ संधि कर लिया। मीर कासिम भाग कर अज्ञातवास में चला गया। उसकी मृत्यु 1777 ई. में दिल्ली के समीप हुई थी। लड़ाई में अंग्रेजो की जीत हुई जिसके परिणाम स्वरूप पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उड़ीसा और बांग्लादेश का दिवानी और राजस्व अधिकार अंग्रेज कंपनी के हाथ चल गया।

   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान भाग 3, अध्याय 2 'भारत में अंग्रेजी राज्य की स्थापना'** से जोड़कर बतायें।

4. **अंतर्राष्ट्रीय हकलाहट जागरूकता दिवस–** हकलाना कोई गंभीर बीमारी नहीं है, लेकिन इसका पीड़ित व्यक्ति पर गहरा प्रभाव पड़ता है। ऐसे लोगों की स्थिति से रू–ब–रू कराने और इसका समाधान बताने के लिए दुनिया भार में हर साल 22 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय हकलाहट जागरूकता दिवस मनाया जाता है। विश्व की करीब 1.5 प्रतिशत आबादी हकलाने की समस्या से पीड़ित है। इससे पीड़ित व्यक्ति को धरा प्रवाह बोलने में कठिनाई होती है, जिससे उन्हें शर्मिन्दगी, भय और झुंझलाहट होती है। यह दिवस वर्ष 1998 से प्रतिवर्ष 22 अक्टूबर को मनाया जाता है।

दिवस विशेष

22 अक्टूबर

मधु प्रिया

अंतर्राष्ट्रीय हकलाना जागरूकता दिवस 22 अक्टूबर

अंतर्राष्ट्रीय हकलाना जागरूकता दिवस, 22 अक्टूबर को आयोजित एक वार्षिक उत्सव है। यह पहली बार 1998 में यूके और आयरलैंड में आयोजित किया गया था। इस दिन का उद्देश्य मुद्दों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना है। इसका सामना लाखों लोग करते हैं । दुनिया की आबादी का एक प्रतिशत जो हकलाते हैं । हर साल, दुनिया भर में हकलाने वाले समुदाय और संघ एक साथ आते हैं, कार्यक्रम आयोजित करते हैं और इस बात पर प्रकाश डालने के लिए अभियान चलाते हैं कि हकलाने वाले लोगों के लिए समाज के कुछ पहलू कैसे कठिन हो सकते हैं। नकारात्मक दृष्टिकोण और भेदभाव को चुनौती देना; और उन मिथकों को तोड़ना है कि हकलाने वाले लोग घबराए हुए या कम बुद्धिमान होते हैं। आईएसएडी हकलाने वाली कई उल्लेखनीय हस्तियों का भी जश्न मनाता है जिन्होंने विज्ञान,राजनीति, दर्शन, कला, सिनेमा और संगीत के क्षेत्र में अब और पूरे इतिहास में दुनिया पर अपनी छाप छोड़ी है। लोगों को हकलाहट के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल 22 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय हकलाना जागरूकता दिवस (इंटरनेशनल स्टमरिंग अवरनेस डे) मनाया जाता है। दुनियाभर में 1.5% लोग हकलाहट का शिकार हैं। इस समस्या के चलते लोगों को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है।लोगों को इस जटिल स्थिति, उनकी जरूरतों और बच्चों में हकलाहट को रोकने की दिशा में काम करने के बारे में शिक्षित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय हकलाना जागरूकता दिवस मनाया जाता है।

जयंती

विशेष 22 अक्टूबर

राकेश कुमार

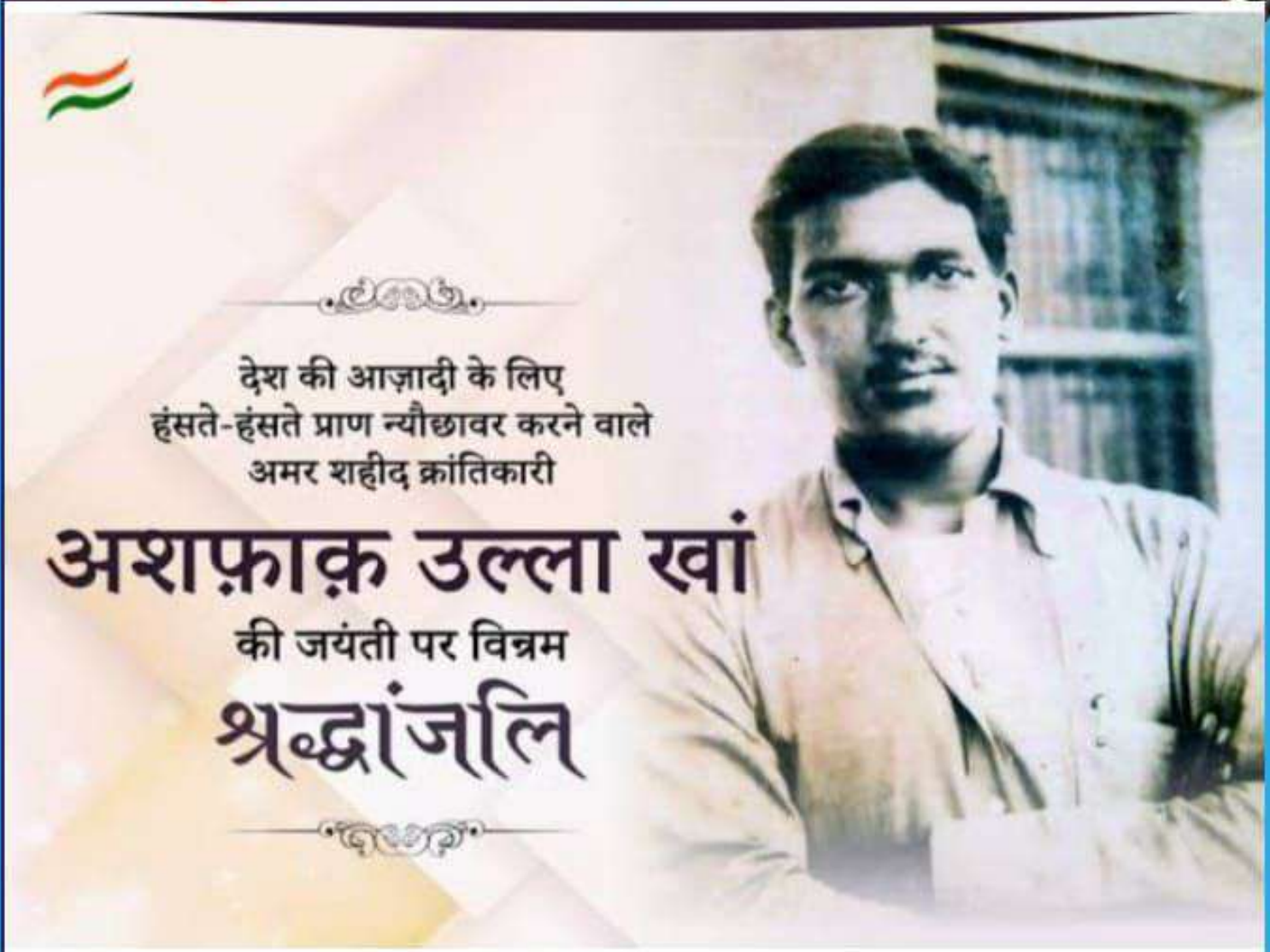

अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ (अंग्रेज़ी: *Ashfaq Ulla Khan*; जन्म- 22 अक्टूबर, 1900 ई., शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश; मृत्यु- 19 दिसम्बर, 1927 ई., फैजाबाद) को भारत के प्रसिद्ध अमर शहीद क्रांतिकारियों में गिना जाता है। देश की आज़ादी के लिए हंसते-हंसते प्राण न्यौछावर करने वाले अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रबल पक्षधर थे।

Teachers of Bihar
The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 22.10.2024

सामाजीकरण
(Socialization)

सामाजीकरण (Socialization) वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से मनुष्य समाज के विभिन्न व्यवहार, रीति-रिवाज़, गतिविधियाँ इत्यादि सीखता है। जैविक अस्तित्व से सामाजिक अस्तित्व में मनुष्य का रूपांतरण भी सामाजीकरण के माध्यम से ही होता है। सामाजीकरण के माध्यम से ही वह संस्कृति को आत्मसात् करता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

भारत में बोतलबंद पानी बेचने की शुरुआत इतालवी कंपनी बिसलेरी ने की थी। साल 1965 में, बिसलेरी ने मुंबई के ठाणे में अपना पहला प्लांट लगाया था।

स्रोत: प्रभासाक्षी

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

वालीबॉल

वॉलीबॉल

वॉलीबॉल एक पसंदीदा खेल है जिसमें दो टीमों के बीच खेला जाता है। प्रत्येक टीम के पांच खिलाड़ी होते हैं और वे एक बेल या नेट से अलग दोनों पक्षों के बीच एक गोली या बॉल को हिलाने के लिए प्रयास करते हैं। ध्वनि मुख्य रूप से "बॉल" और "बल्लेबाज़" के बीच खेले जाते हैं।

गेंद
व्यास: 21 सेमी
वज़न: 280 ग्राम

ओलंपिक में शुरूआत

वॉलीबॉल ने टोक्यो 1964 खेलों में ओलंपिक में अपना डेब्यू किया था।

क्या हैं नियम?

- वॉलीबॉल खेल 6 खिलाड़ियों की दो टीमों द्वारा 18 मीटर लंबे और 9 मीटर चौड़े इनडोर कोर्ट पर खेला जाता है।
- टीम को एक अंक तब प्राप्त होता है जब गेंद विरोधी टीम के कोर्ट की सीमा के भीतर गिरती है।
- दो अंकों के अंतर से 25 अंक हासिल करने वाली पहली टीम सेट जीतती है, प्रत्येक मैच में बेस्ट ऑफ फाइव सेटों के फॉर्मेट को फॉलो किया जाता है।

प्रभासाक्षी

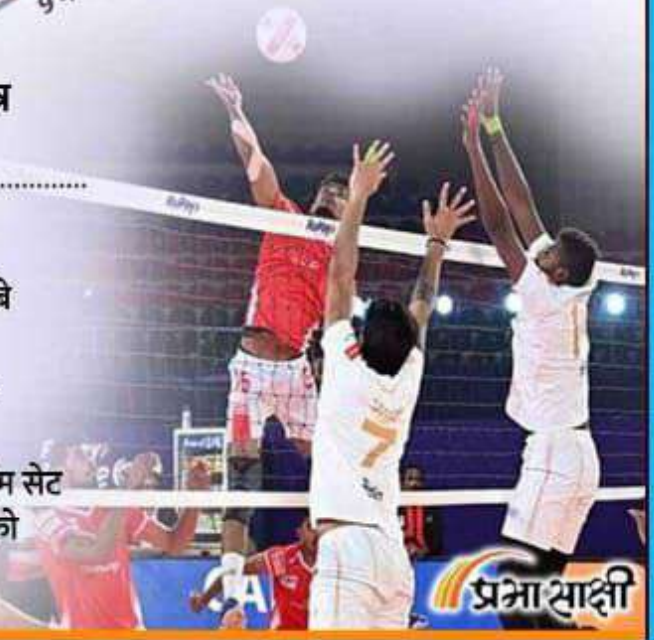

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ

22अक्टूबर 1900
19 दिसम्बर1927

Madhu priya

www.teachersofbihar.org

अंतरराष्ट्रीय हकलाहट जागरूकता दिवस

22 अक्टूबर

Madhu priya

www.teachersofbihar.org